मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 45 ■ अंक : 171 ■ गुरुवार 25 सितंबर 2025 3 रुपए ■ पृष्ठ 4
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर इमोशनल हुईं रानी मुखर्जी

पुराने झगड़े को लेकर पूर्व नगरसेवक पर हमले का प्रयास

- श्रीराम चौक की घटना
- घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद
- विट्ठलवाड़ी पुलिस में मामला दर्ज

उल्हासनगर. उल्हासनगर 4 के श्रीराम चौक इलाके में वसीटा कॉलोनी गेट के सामने मंगलवार को एक चौंकाने वाली घटना घटी। पुरानी रंजिश के चलते पूर्व कांग्रेस नगरसेवक तुलसी वसीटा पर हमले की कोशिश की गई। मिली जानकारी के अनुसार, तुलसी वसीटा ने वहां खड़े कुछ युवकों को हटने के लिए कहा था। और अचानक बहस शुरू हो गई। इसी बीच पुराने झगड़े को लेकर गुस्से में आरोपी अजय बागुल मौके पर आया। उसने वसीटा को गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। यहीं नहीं रुका, उसने लोहे के कोयते से उस पर हमला करने की कोशिश की। लेकिन सौभाग्य से, हमला विफल रहा और तुलसी वसीटा भागने में सफल रहा। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही विट्ठलवाड़ी पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और पीड़िता की शिकायत पर अजय बागुल के खिलाफ धारा 307 और अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

जींस फैक्ट्रियां फिर फैला रही प्रदूषण

- फिर से चोरी-छिपे शुरू हो गई जींस फैक्ट्रियाँ
- फैक्ट्री मालिक का प्रदूषण छिपाने का हथकंडा
- रासायनिक अपशिष्ट जल नाले के ज़रिए सीधे वालधुनी नदी में

उल्हासनगर. कभी साफ-सुथरी लेकिन अब काली पड़ चुकी वालधुनी नदी एक बार फिर जींस धोने वाली फैक्ट्रियों के जाल में फँसने की कगार पर है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद उल्हासनगर की फैक्ट्रियाँ बंद कर दी गई थीं। हालाँकि, शहर की सीमा पर स्थित वसार गाँव में कुछ जींस फैक्ट्रियाँ फिर से चोरी-छिपे शुरू हो गई हैं और उनका रासायनिक अपशिष्ट जल एक नाले के ज़रिए सीधे वालधुनी नदी में मिलाया जा रहा है। खास बात यह है कि स्थानीय लोगों ने इन निर्माताओं के इस दुस्साहस का पर्दाफाश भी कर दिया है कि वे नाले को सीधे सीमेंट की चादर से ढक देते हैं ताकि उनका काला पड़ा अपशिष्ट जल किसी को दिखाई न दे।

शिलाहार राज्य में प्राचीन काल से बहती आ रही वालधुनी नदी के तट पर एक शिव मंदिर बनाया गया था। बाद में, ग्रेट इंडियन पेनिनसुला या जीआईपी कंपनी ने उसी नदी पर एक बाँध बनाया। बाद में इसका इस्तेमाल बोतलबंद पानी के लिए किया जाने लगा। बाद में, इस नदी पर औद्योगिक अतिक्रमण हुआ। बाद में, शहर के विस्तार के दौरान नदी में सीवेज मिलाया जाने लगा। इससे नदी का प्रदूषण बढ़ गया। इस दौरान, औद्योगिक नगरी उल्हासनगर में जींस धोने की फैक्ट्रियाँ शुरू हो गईं। इन फैक्ट्रियों से निकलने वाले अनुपचारित सीवेज ने नदी को नाले में बदल दिया। जब पर्यावरणविदों ने इस पर ध्यान दिया, तो अदालत ने इन फैक्ट्रियों को शहर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद, सीवेज उपचार का खर्च बचाने के लिए ये फैक्ट्रियाँ ग्रामीण इलाकों में गुप्त रूप से चलने लगीं। ये आज भी चल रही हैं।

किसी फैक्ट्री के खिलाफ कार्रवाई होने के बाद, उसे हटा दिया जाता है। ठोस और सख्त कार्रवाई न होने के कारण, फैक्ट्रियाँ अलग-अलग जगहों पर स्थापित हो जाती हैं। अब, स्थानीय लोगों ने खुलासा किया है कि कल्याण-डोंबिवली नगर निगम और उल्हासनगर मनपा की सीमा पर स्थित वसार गाँव की सीमा में एक अवैध जींस धोने की फैक्ट्री चल रही है।

सीमेंट की चादरों से ढका 'सीवेज नाला'

स्थानीय लोगों के अनुसार, इन फैक्ट्रियों से निकलने वाले अनुपचारित रासायनिक सीवेज को बाहर से न दिखाई देने के लिए सीमेंट की चादरों से ढके गुप्त नाले बनाए गए हैं। हालाँकि, रासायनिक सीवेज के खुले में डंप होने से इलाके में दुर्गंध फैल गई है और ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। एक ओर जहाँ राज्य सरकार स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर नदी संरक्षण की योजना बना रही है, वहीं दूसरी ओर जींस धोने की फैक्ट्रियाँ चल रही हैं। अब सवाल यह उठता है कि महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड इस पर कब कार्रवाई करेगा। इससे पहले वांगणी, कल्याण ग्रामीण, बदलापुर ग्रामीण जैसे इलाकों में जींस धोने की फैक्ट्रियाँ चलती पाई गई थीं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

कल्याण-डोंबिवली रेलवे लाइन पर घना कोहरा

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली से दिवा, मुंब्रा रेलवे स्टेशन तक बुधवार सुबह रेलवे लाइन पर घना कोहरा छाया रहा. कोहरे के कारण आगे की दृश्यता कम होने के कारण लोकल और लंबी दूरी की ट्रेनें धीमी गति से चलीं.

घने कोहरे के कारण दस फीट से अधिक दृश्यता संभव नहीं होने के कारण, लोकल ट्रेनों के मोटरमैन और एक्सप्रेस ट्रेनों के लोको पायलट कोहरे से ढके क्षेत्र से धीमी गति से गुजरीं. मोटरमैन सामने से आने वाली लोकल ट्रेनों, मेल ट्रेनों, एक्सप्रेस ट्रेनों और रेलवे लाइन पर बसी बस्तियों के नागरिकों को उस क्षेत्र से गुजरने वाली लोकल ट्रेनों और एक्सप्रेस ट्रेनों को चेतावनी देने के लिए हॉर्न बजा रहे थे. मंगलवार रात से ही कोहरा पड़ना शुरू हो गया था। आधी रात के बाद कोहरे का असर बढ़ गया। कोहरा बढ़ने लगा। वातावरण में कोहरे की एक मोटी चादर सी बन गई। घने कोहरे के कारण सुबह तीन से चार बजे तक होने वाली चहचहाहट और खड़खड़ाहट बुधवार को थम गई थी। बुधवार सुबह यात्री कल्याण, डोंबिवली, कोपर, दिवा, मुंब्रा रेलवे स्टेशनों पर पहुँचे। उन्होंने देखा कि पूरी रेलवे लाइन और आसपास घना कोहरा छाया हुआ था। कल्याण से ठाकुरली, डोंबिवली से मुंब्रा तक रेलवे लाइन कोहरे की चादर में लिपटी हुई थी। कसारा, कर्जत, टिटवाला, आसनगाँव, बदलापुर इलाकों से सीएसएमटी जाने वाली लोकल ट्रेनें भी रेलवे स्टेशन पर देरी से चल रही थीं।

सुबह-सुबह मुंब्रा देवी पहाड़ी पर देवी के दर्शन करने गए भक्त घने कोहरे के कारण अपने मोबाइल की टॉर्च लेकर पैदल ही देवी पहाड़ी पर चढ़ रहे थे। ये टॉर्च दूर से जुगनुओं की तरह चमक रही थीं। सुबह करीब साढ़े सात बजे कोहरे के बीच से सूरज निकला और कोहरे का असर धीरे-धीरे कम होता गया।

अपहरण के 12 लंबित मामलों में से 7 सुलझे

- पुलिस उपायुक्त गोरे की साहसिक कार्रवाई
- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल में अभियान

उल्हासनगर. हिललाइन पुलिस स्टेशन की जाँच टीम ने अपहरण जैसे गंभीर अपराधों के लंबित मामलों की तह तक पहुँचने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में गठित इस विशेष टीम ने पिछले पंद्रह दिनों में बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में साहसिक जाँच अभियान चलाया और 12 में से सात अपराधों में नाबालिग लड़के-लड़कियों को ढूँढ निकाला।

'कायद्याने वागा' के संस्थापक राज असरोंडकर और कल्याण विकासिनी संगठन के अध्यक्ष उदय सामंत की पहल पर 'आओ, लापता लड़कियों का पता लगाएँ' जन अभियान शुरू किया गया। इन मामलों को सुलझाने के लिए पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक धूमल, मोरे, एचसी पवार और एचसी गुरव की एक विशेष टीम का गठन किया गया।

इस जाँच दल ने अपहृत बच्चों की तलाश के लिए बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और पश्चिम बंगाल में गुप्त जाँच अभियान चलाया। लगातार पंद्रह दिनों तक चले इस अभियान में टीम ने कई जगहों पर तलाशी ली और लंबित 12 मामलों में से 7 में नाबालिगों को ढूँढने में सफलता प्राप्त की। पुलिस बल ने लंबे समय से लंबित 12 अपहरण मामलों में से सात का खुलासा कर अभिभावकों को राहत दी। टीम की दृढ़ता और साहस की सराहना की जा रही है।

गड्ढे में ट्रक फंसने से यातायात जाम

उल्हासनगर. उल्हासनगर में सड़कों की दुर्दशा एक बार फिर उजागर हुई है। कैंप क्रमांक 4 के सुभाष टेकड़ी इलाके में एक ट्रक के गड्ढे में फंसने से पूरी सड़क बंद हो गई है। नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है और स्थानीय लोगों का आरोप है कि बार-बार शिकायत के बावजूद महानगर पालिका प्रशासन सड़कों की मरम्मत में लापरवाही बरत रहा है। शहर के दैनिक यातायात को बाधित करने वाली यह घटना प्रशासन की उदासीनता का ताजा उदाहरण है।

उल्हासनगर शहर में गड्ढों वाली सड़कों के कारण नागरिकों की परेशानी का कोई ठिकाना नहीं है। सोमवार शाम को कैंप क्रमांक 4 के सुभाष टेकड़ी इलाके में गुरुद्वारा जाने वाली मुख्य सड़क पर एक बड़ा ट्रक गड्ढे में फंस गया। बजरी और ग्रिट से लदा यह ट्रक जब सड़क से गुजर रहा था, तभी उसका पहिया अचानक एक गहरे गड्ढे में फिसल गया और वह वहीं रुक गया। इस घटना के कारण भीषण जाम लग गया और अंततः पुलिस और मनपा ने मिलकर कुछ देर के लिए सड़क को पूरी तरह से बंद कर दिया।

स्थानीय लोगों ने पहले मनपा से शिकायत की थी कि गड्ढों के कारण यहाँ अक्सर वाहन फंस जाते हैं, लेकिन अब शिकायतों को नज़रअंदाज़ करने और सड़कों की मरम्मत न करने का आरोप और तेज़ हो गया है।

निवासियों ने कहा, अगर मनपा प्रशासन ने समय रहते ध्यान दिया होता, तो जाम की समस्या से बचा जा सकता था। इस घटना ने एक बार फिर उल्हासनगर मनपा के सड़क विभाग की प्रबंधन शैली को सुर्खियों में ला दिया है। शहर की मुख्य सड़कों पर गड्ढे लगातार बने हुए हैं, जिससे नागरिकों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी में मुश्किलें बढ़ रही हैं। आशंका है कि मानसून के मौसम में यह स्थिति और गंभीर हो गई है।

अंबरनाथ में दो सड़क हादसे, एक की मौत, दो गंभीर घायल

- दो महिने का बच्चा बाल-बाल बचा
- अज्ञात रिक्शा चालक ने मारी टक्कर, एक की मौत

अंबरनाथ. अंबरनाथ केबी मुख्य महामार्ग पर हुए दो सड़क हादसों में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, तो लोग गंभीर घायल हो गए हैं, लेकिन एक दो महिने के बच्चे को खरोंच तक नहीं आई है. जिस पर लोग आश्चर्य व्यक्त कर रहे हैं. बुधवार सुबह विमको नाका से उल्हासनगर की ओर जा रही कार ने आईटीआई की दीवार को जोरदार टक्कर मारी. कार में बैठे रिया यशराव और उसका पति जो कि कार चला रहा था, दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं. उनके साथ उनका दो महिने का बच्चा भी थी, जो बच गया है. लोग बच्चे के बच जाने पर कह रहे हैं कि जिसे अल्ला रखे, उसे कौन चखे. घायल पति-पत्नी का उपचार क्रिटिकेयर अस्पताल में चल रहा है. दोनों शहर पश्चिम के शंकर हाईट्स ग्लैक्सी इमारत के निवासी बताए गए हैं. कार का नंबर एमएच 01 बीजी 6185 बताया गया है. कार का भी बड़ा नुकसान हुआ है.

दूसरी घटना में 6 दिनों पूर्व विमको नाका केबी सड़क पर जा रहे एक पैदल व्यक्ति को अज्ञात रिक्शा चालक ने टक्कर मार दिया था. उपचार के दौरान कल उसकी मौत हो गई है. मातोश्री नगर विमको नाका निवासी आकाश जवेरी ने पुलिस में शिकायत लिखाई है कि 18 सितंबर को उनके पति सुदर्शन जवेरी रात 8.30 बजे केबी सड़क से पैदल घर की तरफ आ रहे थे कि पीछे से आती रिक्शा ने सुदर्शन को जोरदार टक्कर मारने से उनके सर पर गंभीर चोटें आई और उन्हें उपचार हेतु केईएम अस्पताल में दाखिल किया गया था. जहां कल उनकी मौत हो गई. पुलिस ने अज्ञात रिक्शा चालक के खिलाफ अपराध दर्ज करके उसे तलाश कर रही है.

हाजीमलंग वाड़ी से 1.20 लाख का गांजा जब्त

- आरोपी गिरफ्तार

उल्हासनगर. उल्हासनगर पुलिस ने हाजीमलंग वाड़ी क्षेत्र में एक कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर बड़ा अंकुश लगाया। एक सफेद स्विफ्ट कार में बिक्री के लिए लाया जा रहा लगभग एक किलोग्राम गांजा पुलिस के जाल में फंस गया और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया गया।

इस साहसिक कार्रवाई से कुल 1.20 लाख रुपये का माल जब्त किया गया है, जिससे शहर में मादक पदार्थों के कारोबार को बड़ा झटका लगा है। उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन के पुलिस कांस्टेबल संदीप बर्वे को एक गोपनीय मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि हाजीमलंग वाड़ी बस स्टॉप क्षेत्र में एक सफेद स्विफ्ट कार से गांजा बेचा जाने वाला है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे की अनुमति से यह जानकारी जांच दल को दी गई। सहायक पुलिस निरीक्षक योगेश बेंडकुले के मार्गदर्शन में टीम ने क्षेत्र में जाल बिछाया। जांच के दौरान कार में कुल 993 ग्राम गांजा मिला। इस संबंध में, आरोपी शाहरुख उर्फ दाऊद अनवर पठान (उम्र 21) को हिरासत में लिया गया।

आशेला गांव के गुंडे लाला पर लगा मोका

- लाला के 3 नाबालिग बदमाश गिरफ्तार
- विट्ठलवाड़ी पुलिस ने लिया हिरासत में

उल्हासनगर. उल्हासनगर-4 आशेले गाँव में तीन महीने पहले हुए हमले में पुलिस ने निर्णायक कदम उठाया है। सुमित कदम उर्फ लाला और उसके गिरोह के सदस्यों ने गाँव में कई वाहनों और दुकानों में तोड़फोड़ की थी। साथ ही, तलवार से किए गए हमले में एक महिला समेत कई लोग घायल हो गए थे। इस घटना के बाद इलाके में भारी दहशत का माहौल बन गया था।पुलिस ने पिछले हफ्ते गिरोह के सरगना सुमित उर्फ लाला कदम को गिरफ्तार किया था। आज उसके गिरोह में शामिल तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपी को उसी इलाके से गिरफ्तार किया गया जहाँ उसने आतंक मचाकर नागरिकों को डरा रखा था। सभी आरोपियों की पृष्ठभूमि की जाँच के बाद, पुलिस आयुक्त ने आखिरकार चारों के खिलाफ मोका के तहत कार्रवाई की है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य इलाके में आतंक को खत्म करना और नागरिकों में विश्वास पैदा करना है। पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने चेतावनी दी है कि अगर भविष्य में कोई भी तोड़फोड़, धमकी या आतंक फैलाने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पैनल-6 में स्वच्छता अभियान का आयोजन

- पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी के नेतृत्व में जनजागृति अभियान

उल्हासनगर. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत बुधवार को पैनल 6 में विशेष स्वच्छता जनजागृति अभियान पूर्व नगरसेवक व भाजपा नेता महेश सुखरामानी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।

स्वच्छता ही सेवा मुहिम के अंतर्गत इस अभियान की शुरुआत उल्हासनगर-2 स्थित यात्री निवास गार्डन से की गई। इस स्वच्छता यात्रा में नानक जीरा चौक, सेंट्रल हॉस्पिटल, रेड क्रॉस हॉस्पिटल, टेक बहादुर कॉलोनी, बाबा बेफिक्री चौक होते हुए पुनः यात्री निवास गार्डन पर समापन हुआ।

इस अभियान में पूर्व नगरसेवक महेश सुखरामानी ने स्वयं अपने हाथ में झाड़ू लेकर सफाई कार्य में जुट गए। उनके इस पहल को देख कर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और कार्यकर्ता भी इस अभियान में सहभागी बने। महेश सुखरामानी ने इस अवसर पर कहा, 'स्वस्थ जीवन के लिए स्वच्छता अत्यंत आवश्यक है। प्रत्येक नागरिक को चाहिए कि वह स्वच्छता के प्रति जागरूक रहे और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करे।'

इस अभियान में उल्हासनगर महानगरपालिका आयुक्त श्रीमती मनीषा आव्हाले के निर्देशानुसार प्रशासन का भी विशेष सहयोग रहा। अभियान में भारतीय सिन्धु सभा के अध्यक्ष राजेश अमरनानी, अर्चना करणकाले , समाजसेवक वाशु नानवानी, डॉ. बलराम कुमावत, गंगाराम शर्मा, मनपा सहायक आयुक्त गणेश शिंपी, सहायक सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारी मनीष हिवरे, मुख्य स्वच्छता निरीक्षक एकनाथ पवार, वार्ड ऑफिसर विजय बेनवाल सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

165 वाहनों पर ई-चालान : 1.92 लाख रुपये का जुर्माना वसूला

- यातायात की भीड़ कम करने के लिए जन जागरूकता
- उल्हासनगर में अवैध पार्किंग के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई

उल्हासनगर. उल्हासनगर परिवहन विभाग और मनपा के संयुक्त अभियान के तहत 54 वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। साथ ही, सड़कों को अवैध पार्किंग से मुक्त करने के लिए 165 वाहनों पर ई-चालान के जरिए 2 लाख रुपये का जुर्माना वसूला गया है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई।

उल्हासनगर परिवहन विभाग और मनपा ने उल्हासनगर के डॉल्फिन रोड और कल्याण-बदलापुर रोड पर अवैध पार्किंग के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया। शनिवार को हुई कार्रवाई में 54 वाहनों पर दंडात्मक कार्रवाई कर 70 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। इससे पहले, नागरिकों, गैराज चालकों और संगठनों से बातचीत कर पीए सिस्टम के जरिए जन जागरूकता भी फैलाई गई। हालांकि, उल्लंघनकर्ताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए, यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ ने इन सड़कों को अवैध पार्किंग से मुक्त करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं और अब तक ई-चालान के माध्यम से 165 वाहनों पर लगभग दो लाख का जुर्माना लगाया जा चुका है।

सड़कों को स्थायी रूप से पार्किंग मुक्त करने का प्रयास

इस कार्रवाई में 54 वाहनों पर जुर्माना लगाया गया और 70 हजार रुपये वसूले गए। पिछले अभियान में, परिवहन विभाग ने कुल 165 वाहनों पर ई-चालान जारी किए थे और 1,92,000 रुपये का जुर्माना लगाया था। इस कार्रवाई के बाद, डॉल्फिन रोड और कल्याण-बदलापुर रोड पर भारी वाहनों की अवैध पार्किंग कम हो गई है, जिससे यातायात सुचारू करने में मदद मिली है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में इस तरह की अवैध पार्किंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नागरिकों के सहयोग से इन सड़कों को स्थायी रूप से पार्किंग-मुक्त बनाया जाएगा।

पीए सिस्टम के माध्यम से जन जागरूकता

उल्हासनगर यातायात विभाग और मनपा प्रशासन ने उल्हासनगर शहर में यातायात की भीड़भाड़ कम करने और मुख्य सड़कों को साफ करने के लिए एक संयुक्त अभियान शुरू किया है। यह अभियान मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले, सहायक आयुक्त अजय साबले और यातायात विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक राजेश शिरसाठ के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है।

आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी...

डॉल्फिन रोड और कल्याण-बदलापुर रोड पर अवैध पार्किंग के कारण नागरिकों को होने वाली असुविधा और यातायात की भीड़भाड़ को ध्यान में रखते हुए, हम लगातार अभियान चला रहे हैं। सबसे पहले, जन जागरूकता पैदा की गई और वाहन मालिकों से नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया। हालाँकि, लापरवाही के चलते कड़ी कार्रवाई करनी पड़ी। संयुक्त अभियान में 54 वाहनों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की गई। अब तक कुल 165 वाहनों के ई-चालान काटे जा चुके हैं और लगभग दो लाख रुपये का जुर्माना वसूला जा चुका है। हमें विश्वास है कि आगे भी ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी और इन सड़कों पर अवैध पार्किंग पूरी तरह से बंद हो जाएगी।

– राजेश शिरसाठ, (वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक)

पुलिस कांस्टेबल संजय बेंद्रे, लक्ष्मण पंधारे, जितेंद्र चित्ते, संतोष भोईर, योगेश महाजन, नाना अव्हाड़ और गणेश शेलार की एक टीम ने डॉल्फिन रोड और कल्याण-बदलापुर राजमार्ग क्षेत्र में गैराज चालकों और ट्रक-टेम्पो संघों से बातचीत की और उनसे भारी वाहन न पार्क करने की अपील की।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

योगी सरकार के कदम का असर?

हमारे समाज में जातिगत भेदभाव से जुड़ी धारणा की जड़ें इतने गहरे तक फैली हुई हैं कि तमाम कोशिशों के बावजूद ये आज भी समूल नष्ट नहीं हो पाई है। शहरों में भले ही अब इसका असर कम होने लगा है, लेकिन ग्रामीण इलाकों में हालात जस के तस बने हुए हैं। हालांकि, देश में शिक्षा के स्तर पर काफी तरक्की हुई है, मगर यह उन्नति भी अपेक्षा के अनुरूप सामाजिक सोच में बदलाव की वाहक नहीं बन पाई है।

इस संदर्भ में उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से पुलिस के दस्तावेजों में आरोपियों का जातिगत ब्योरा दर्ज नहीं करने समेत अन्य संबंधित आदेशों को जाति के आधार पर भेदभाव खत्म करने और समाज में समानता लाने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राज्य सरकार ने वाहनों पर जाति-आधारित स्टिकर लगाने या नारे लिखने को भी प्रतिबंधित कर दिया है। नियमों का उल्लंघन करने वालों पर मोटर वाहन अधिनियम के तहत जुर्माना लगाने का प्रावधान किया गया है। यानी अब अपनी जाति का प्रदर्शन कर दूसरों पर धौंस जमाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई होगी, जो निश्चित तौर पर सराहनीय निर्णय है।

दरअसल, जातिगत भेदभाव न केवल व्यक्ति को सामाजिक और मानसिक स्तर पर चोट पहुंचाता है, बल्कि उसके आर्थिक, नैतिक और सांस्कृतिक हित भी प्रभावित होते हैं। समाज और व्यवस्था में जातिगत पूर्वाग्रह के कारण पीड़ित व्यक्ति को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उत्तर प्रदेश में सरकार का यह आदेश हाल में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक फैसले के अनुपालन में लिया गया है।

सरकारी आदेश में कस्बों और गांवों में ऐसे बोर्ड या संकेतों को हटाने के लिए भी कहा गया है, जो जातिगत पहचान को इंगित करते हैं या किसी क्षेत्र को जाति विशेष से संबंधित बताते हैं। माना जाता है कि कुछ लोग समाज में अपना दबदबा बनाने के लिए इस तरह के संकेतों का इस्तेमाल करते हैं, जो वास्तव में जाति के आधार पर भेदभाव पैदा करता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में हुई पहल को देश के दूसरे इलाकों में भी उतारने की कोशिश होनी चाहिए, ताकि जाति से जुड़ी ग्रंथियों को और उसके आधार पर जारी भेदभाव को खत्म करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकें।

विचार: अवसरों के लिए आपदा की प्रतीक्षा क्यों?

अमेरिका से जब यह परेशान करने वाली खबर आई कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने एच-1बी वीजा पर एक लाख डालर फीस कर दी है तो भारत में एक प्रतिक्रिया यह भी थी कि यह आपदा में एक और अवसर है। ऐसी प्रतिक्रिया देने वालों का मानना था कि इसका नतीजा यह होगा कि अब बेंगलुरु की सिलिकान वैली अमेरिका की सिलिकान वैली जैसी समर्थ हो जाएगी और गुरुग्राम, पुणे आदि की आइटी कंपनियों को विस्तार एवं नवाचार करने का अवसर मिलेगा।

इसके कुछ घंटे बाद कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया बेंगलुरु की सड़कों को एक महीने के अंदर गड्ढामुक्त करने के निर्देश दे रहे थे और नगर निकाय के अधिकारियों से नाराज होकर कह रहे थे कि आखिर उन्हें लोगों की परेशानी दिखती क्यों नहीं? उन्होंने इंजीनियरों को निशाने लेते हुए कहा, 'आपकी वजह से सरकार बदनाम हो रही है। आपको शर्म नहीं आती? आपने इंजीनियरिंग की पढ़ाई क्यों की? क्या मैं आपको गड्ढे बंद करने के लिए कहूं?'

इसके पहले बेंगलुरु की सड़कों के गड्ढे इसलिए खबरों में थे, क्योंकि एक स्टार्टअप ब्लैकबक के सीईओ ने शहर की खराब सड़कों और ट्रैफिक की वजह से अपनी कंपनी को शिफ्ट करने की बात कही थी। उनकी पोस्ट वायरल होने के बाद कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने संबंधित ठेकेदारों को नवंबर तक खराब सड़कों को ठीक करने का अल्टीमेटम दिया।

बाद में उन्होंने यह भी कहा कि बेंगलुरु को बेवजह निशाना बनाया जा रहा है और गड्ढे तो प्रधानमंत्री

आवास जाने वाली सड़क पर भी हैं। इस सड़क यानी लोक कल्याण मार्ग पर गड्ढों की तो कोई खबर नहीं, लेकिन चंद किलोमीटर दूर गुरुग्राम को लेकर ऐसी खबरें अवश्य दिखीं कि यह साइबर सिटी बरसात बाद खराब सड़कों और हमेशा तंग करने वाले ट्रैफिक जाम से जूझ रही है।

खराब सड़कों के खिलाफ उठती आवाजों पर ध्यान देते हुए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के हवाले से समाचार आया कि उन्होंने साफ कहा है कि सड़कों की मरम्मत में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। यह तय मानकर चलिए कि ऐसे निर्देश अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी दे रहे होंगे या फिर देने वाले होंगे। काश ऐसी भी कोई खबर आए कि शासन-प्रशासन के शीर्ष पदों पर बैठे लोग संबंधित अधिकारियों को सड़कों को गड्ढामुक्त करने का आदेश देने के साथ-साथ उन्हें इस तरह बनाने की भी हिदायत दें कि अगली बरसात में उनमें गड्ढे न बनने पाएं। आखिर नगर निकाय, पीडब्ल्यूडी और सीपीडब्ल्यूडी और यहां तक कि एनएचएआइ को ऐसी सड़कें बनाने में क्या कठिनाई है कि वे कम से कम अगली बरसात तो झेल सकें?

यह सही है कि पिछले कुछ वर्षों में सड़कों के साथ तमाम हाईवे एवं एक्सप्रेसवे बने हैं और उनके चलते आवागमन सुगम हुआ है, लेकिन यह प्रश्न अनुत्तरित है कि अपने देश में ऐसी सड़कें क्यों नहीं बन पातीं, जो टिकाऊ हों यानी जो बरसात में गड्ढायुक्त न होने पाएं। अभी तो थोड़ी सी बरसात में ही सड़कों पर गड्ढे दिखने लगते हैं या फिर वे जलभराव का शिकार हो जाती हैं। दुनिया में हर कहीं बरसात होती है और जहां भी जरूरत से ज्यादा वर्षा हो जाती है, वहां लोगों को कुछ न कुछ समस्याओं से दो-चार होना पड़ता है, पर अपने देश में थोड़ी भी बारिश ऐसी खबरों को जन्म देती है- आफत की बारिश।

2047 में केवल 22 बरस ही शेष हैं। यदि इस कालखंड में भारत को सचमुच विकसित राष्ट्र बनना है तो हमें कुछ बुनियादी काम ढंग से करने सीखने होंगे। इनमें से ही एक है टिकाऊ सड़कों का निर्माण और उन्हें ट्रैफिक जाम से मुक्त करना। इसके अतिरिक्त शहरों को गंदगी और प्रदूषण से भी बचाना, क्योंकि हर विकसित और यहां तक कि कई विकासशील देशों ने ऐसा कर लिया है। यह भारत ही है, जहां यह काम होते हुए नहीं दिखता।

इसका कारण है हमारे भ्रष्ट नेता और नौकरशाह। इनकी मिलीभगत के चलते जहां निर्माण है, वहीं भ्रष्टाचार है। भ्रष्ट और अक्षम नेता तो प्रायः जनता के असंतोष का शिकार होकर सत्ता से बाहर हो जाते हैं, लेकिन नौकरशाहों का मुश्किल से ही बाल बांका होता है। देश की तमाम समस्याओं के लिए भ्रष्ट नेताओं के साथ नौकरशाह ही जिम्मेदार हैं।

प्रभु की निरोगात्मक शक्ति के साथ हम तब जुड़ सकते हैं जब हम अपनी चेतनता को भौतिक शरीर से हटाकर अपने आत्मिक पक्ष की ओर ले जाते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

जब बोलने की आजादी पर हो सवाल

अभिव्यक्ति का अधिकार लोकतंत्र का जीवन-तत्त्व है। अगर किसी भी वजह से इस अधिकार को बाधित किया जाता है, तो इसका अंतिम नुकसान देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को होगा। हालांकि कई बार ऐसी स्थितियां सामने आती हैं, जब किसी व्यक्ति की टिप्पणी को उसकी अभिव्यक्ति के तौर पर देखा जाता है, लेकिन वह किसी अन्य व्यक्ति की छवि को चोट पहुंचाती दिखती है। शायद यही वजह है कि कई बार अभिव्यक्ति की सीमा का भी सवाल उठाया जाता रहा है। ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहे हैं, जिनमें किसी टिप्पणी को कोई व्यक्ति अपनी मानहानि के तौर पर देखता है और ऐसा करने वाले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करता है। यानी यह संभव है कि एक व्यक्ति के अपने विचारों की अभिव्यक्ति को कानून के मुताबिक किसी के खिलाफ आपराधिक मानहानि की श्रेणी में रखा जाए। मगर यह भी सच है कि इससे संबंधित कानून को स्वतंत्र आवाजों को दबाने और गैरजरूरी तरीके से परेशान करने के एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए इस संबंध में जो कहा है, वह अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में बेहद अहम साबित हो सकता है। एक समाचार वेबसाइट से जुड़े मामले

में अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा कि आपराधिक मानहानि को अब अपराध की श्रेणी से हटाने का समय आ गया है। अदालत की यह टिप्पणी संबंधित वेबसाइट पर वर्ष 2016 में प्रकाशित एक लेख को लेकर दायर आपराधिक मानहानि के मामले में सामने आई। भारत उन देशों में है, जहां मानहानि को कानूनन अपराध माना जाता है।

हालांकि कुछ अन्य देशों में यह मामला केवल नागरिक विवाद है, जिसमें मुआवजे की मांग की जा सकती है। भारत में इससे संबंधित कानून का असर इस रूप में देखा जाता है कि अक्सर राजनीतिक स्तर पर किसी संदर्भ में दो पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप लगाए जाते हैं तो उसमें कोई एक पक्ष आरोपों को अपने खिलाफ आपराधिक मानहानि बता कर कानूनी कार्रवाई की मांग करता है।

ऐसे कुछ मामले हो सकते हैं, जिनमें वास्तव में जानबूझ कर किसी व्यक्ति की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाने की कोशिश की गई हो, लेकिन ज्यादातर मामलों में इस आरोप में घिरे व्यक्ति के खिलाफ शिकायत का कोई मजबूत आधार नहीं पाया जाता। वहीं इस कानून के तहत दर्ज मुकदमों के जरिए स्वतंत्र स्वरों को बाधित करने के मामले आम पाए जाते हैं। शायद यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस कानून को कसौटी पर रखा है।

गौरतलब है कि इससे पहले वर्ष 2016 में शीर्ष अदालत ने ही एक मामले में आपराधिक मानहानि से संबंधित कानून को संवैधानिक रूप से वैध ठहराया था। अब इसी अदालत ने जिस तरह मानहानि को अपराध की श्रेणी से हटाने की बात कही है, उसके अपने आधार हैं। यह छिपा नहीं है कि इस कानून का सहारा लेकर पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विरोधियों की आवाज को दबाने की कोशिश की जाती है।

कई बार किसी ऐसी टिप्पणी को भी मानहानिकारक बता दिया जाता है, जो तथ्यों पर आधारित होती हैं या उससे कोई बहस खड़ी हो सकती है। इस बात की संभावना हो सकती है कि कोई व्यक्ति किसी खास बयान या समाचार को अपनी प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाला माने, लेकिन अगर वह बयान या समाचार व्यापक जनहित के सवालों से जुड़ा है, तो उस पर विचार किया जाना और सही पक्ष सामने लाना देश की लोकतांत्रिक जड़ों को ही मजबूत करेगा।

महिला को है पानी से एलर्जी, छूते ही जलने लगता है तन-बदन

जरा हट के

सोशल मीडिया पर कई ऐसी दुर्लभ बीमारियों से जुड़ी खबरें सामने आती हैं, जिन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है. एक ऐसा ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक महिला ने बताया कि उसे पानी से एलर्जी है. जी हां, जिस पानी के बिना जीवन संभव नहीं है, उसी पानी से उसे हर बार रिएक्शन होता है. इंग्लैंड की रहने वाली एरीन कैसिडी नाम की इस महिला ने ब्रिटिश टीवी शो 'दिस मॉर्निंग' पर अपनी आपबीती सुनाई, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह गया. एरीन ने बताया कि जब वह 14 साल की थी तब उसे पहली बार इस समस्या का एहसास हुआ. वह स्कूल में स्विमिंग करने गई और जब वह बाहर निकली तो उसके सीने पर एक लाल चकत्ता (रैश) बन गया, जिसमें जलन भी हो रही थी. उसे लगा कि यह क्लोरीन की वजह से है, लेकिन बाद में जब भी वह नहाती या पसीना आता तो उसे यही समस्या होने लगी.

इसके बाद उसे अहसास हुआ कि पानी को छूते ही उसके तन-बदन में चकते पड़ गए और जलन होने लगी. वो एक दुर्लभ बीमारी की वजह की शिकार थी, जो रुह कंपा देने वाली थी. एरीन ने कहा, '14 साल की उम्र से लेकर अब 24 साल की उम्र तक, पिछले 10 सालों से मैं इससे बहुत बुरी तरह जूझ रही हूं.' उन्होंने बताया कि उन्हें अपने ही आंसुओं से भी रिएक्शन होता है, जिससे उनकी त्वचा पर जलन होती है. यह बीमारी इतनी दुर्लभ है कि डॉक्टर्स भी समझ नहीं पाते हैं. एरीन ने बताया कि वह नौ साल तक लगातार डॉक्टरों के पास गईं, लेकिन सभी ने इसे सामान्य रैश कहकर टाल दिया और सिर्फ एंटीहिस्टामाइन लेने की सलाह दी. आखिरकार, नौ साल बाद जब वह एक नए डॉक्टर के पास गईं, तो उन्होंने धैर्य से उसकी सारी तस्वीरें देखीं, पूरी तरह से जांच करने के बाद इस दुर्लभ बीमारी की पुष्टि की. इस बीमारी को एक्वाजेनिक अर्टिकेरिया कहते हैं. यह तब होता है जब त्वचा पानी के संपर्क में आती है, जिससे पित्ती निकल आती हैं. ये रैश अक्सर पानी के संपर्क में आने के 20-30 मिनट बाद दिखाई देते हैं और 30-60 मिनट बाद गायब हो जाते हैं. कुछ मामलों में सिरदर्द, सांस लेने में तकलीफ, घरघराहट या बेहोशी जैसे लक्षण भी हो सकते हैं.

खाना-खजाना

ड्राई-फ्रूट साबूदाना खीर

नवरात्र के दौरान 9 दिनों तक माता रानी के भक्त व्रत रखकर उनकी पूजा करते हैं। व्रत में खाने-पीने का खास ध्यान रखा जाता है। अगर आप भी इस बार कुछ स्वादिष्ट और हेल्दी बनाना चाहते हैं, तो ड्राई-फ्रूट साबूदाना खीर एक बेहतरीन ऑप्शन है। यह खीर न सिर्फ पेट को फुल रखती है, बल्कि इसमें मौजूद ड्राई-फ्रूट्स आपको दिनभर एनर्जी भी देते हैं। इसे बनाना भी बहुत आसान है। आइए, जानते हैं इसकी आसान रेसिपी।

सामग्री :

- 1 कप साबूदाना
- 1 लीटर फुल क्रीम दूध
- आधा कप चीनी
- 10-12 बादाम
- 10-12 काजू

- 10-12 किशमिश
- 1 छोटा चम्मच इलायची पाउडर
- केसर के कुछ धागे

विधि :

सबसे पहले, साबूदाने को 2-3 बार अच्छी तरह धो लें। इसके बाद इसे 3-4 घंटे के लिए पानी में भिगोकर रख दें ताकि यह नरम हो जाए।

एक गहरे बर्तन में दूध डालकर धीमी आंच पर उबलने दें। जब दूध में उबाल आ जाए, तो इसमें भिगोया हुआ साबूदाना पानी से निकालकर डाल दें। अब दूध और साबूदाने को लगातार चलाते रहें, ताकि साबूदाना बर्तन के तले में न चिपके। इसे धीमी आंच पर तब तक पकाएं जब तक साबूदाना पारदर्शी न हो जाए और खीर गाढ़ी न हो जाए। जब खीर गाढ़ी हो जाए, तो इसमें चीनी और कटे हुए ड्राई-फ्रूट्स (बादाम, काजू) मिलाएं। किशमिश और इलायची पाउडर भी डाल दें। सबकुछ अच्छी तरह मिला लें और 2-3 मिनट तक और पकाएं। अब गैस बंद कर दें और खीर को थोड़ा ठंडा होने दें। आप इसे गरमागरम या ठंडा करके भी खा सकते हैं।

क्या डायबिटीज के मरीजों को खाना चाहिए साबुदाना?

नवरात्र के त्योहार की शुरुआत हो चुकी है। इस दौरान कई लोग उपवास रखते हैं, जिसमें फलाहार के लिए साबुदाने की खीर या खिचड़ी बड़े चाव से खाई जाती है। लेकिन जब बात आती है डायबिटीज के मरीजों की तो सवाल आता है कि क्या वे भी बेफिक्र होकर साबुदाना खा सकते हैं?

दरअसल, इस सवाल का जवाब जानना जरूरी है, क्योंकि खान-पान में लापरवाही डायबिटीज के मरीजों के लिए भारी पड़ सकती है। आइए जानें साबुदाना ब्लड शुगर लेवल को कैसे प्रभावित करता है और डायबिटीज के मरीजों के लिए यह

कितना सुरक्षित है।

■ क्या डायबिटीज के मरीजों को खाना चाहिए साबुदाना?

साबूदाना मुख्य रूप से शुद्ध कार्बोहाइड्रेट है और इसमें प्रोटीन, फैट या फाइबर की मात्रा न के बराबर होती है।

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स- साबूदाना का ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी हाई होता है। इसका मतलब यह है कि यह शरीर में तेजी से पचकर ग्लूकोज में बदल जाता है और ब्लड शुगर का लेवल अचानक से बढ़ सकता है।

कम पोषक तत्व- इसमें फाइबर, विटामिन और मिनरल्स बहुत कम होते हैं, इसलिए यह पोषण का अच्छा सोर्स नहीं माना जाता। यह मुख्य रूप से एनर्जी देता है, लेकिन डायबिटीज के मरीजों के लिए यह नुकसानदायक हो सकता है।

वजन बढ़ना- साबूदाना कैलोरी से भरपूर होता है। इसलिए इसे ज्यादा मात्रा में खाने से वजन बढ़ सकता है।

तो आप समझ सकते हैं कि साबूदाना डायबिटीज के मरीजों के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है, खासकर अगर सीमित मात्रा में न खाया जाए।

किन बातों का ध्यान रखें?

साबुदाना डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद नहीं है, लेकिन फिर भी अगर इसे खा रहे हैं, तो कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी है-

- **कम मात्रा में खाएं-** कभी-कभार और बहुत थोड़ी मात्रा में ही साबूदाना खाएं। एक छोटी कटोरी (लगभग 30-40 ग्राम) से ज्यादा न लें।
- **बैलेंस बनाएं-** साबूदाने को अकेले न खाएं। इसे प्रोटीन और फाइबर से भरपूर चीजों के साथ मिलाकर खाएं।
- **खीर से परहेज करें-** साबूदाने की खीर, जिसमें चीनी और दूध की मात्रा ज्यादा होती है, डायबिटीज के मरीजों के लिए सबसे नुकसानदायक है।
- **ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें-** साबूदाना खाने के बाद अपने ब्लड शुगर लेवल की जांच जरूर करें, ताकि यह पता चल सके कि इसका आपके शरीर पर क्या असर पड़ रहा है।

आज का राशिफल

मेष : काम में मन नहीं लगेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। एकाएक स्वास्थ्य खराब हो सकता है, लापरवाही न करें। दूर से दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है। व्यर्थ दौड़धूप होगी। विवाद से स्वाभिमान को चोट पहुंच सकती है। जोखिम न लें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

वृषभ : नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। लाभ देगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। प्रयास सफल रहेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड इत्यादि में जल्दबाजी न करें। लाभ होगा। प्रतिद्वंद्विता में वृद्धि होगी।

मिथुन : नए काम करने का मन बनेगा। दूर यात्रा की योजना बनेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। व्यापार से लाभ होगा। नौकरी में चैन रहेगा। जोखिम न लें। फिजूलखर्ची ज्यादा होगी। शत्रु भय रहेगा। शारीरिक कष्ट से बाधा उत्पन्न होगी।

कर्क : व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ने के योग हैं। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। लेन-देन में सावधानी रखें। कोई बड़ी समस्या का अंत हो सकता है।

सिंह : स्वयं के काम पर ध्यान दें। कोई बड़ा खर्च एकाएक सामने आएगा। व्यापार ठीक चलेगा। कार्यकुशलता कम होगी। कर्ज लेना पड़ सकता है। कुसंगति से बचें। किसी व्यक्ति के काम की जवाबदारी न लें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। विवाद को बढ़ावा न दें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

कन्या : व्यापार मनोनुकूल रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी न करें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर के छोटे सदस्यों संबंधी चिंता रहेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा।

तुला : सुख के साधन जुटेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। निवेश शुभ रहेगा। धनहानि हो सकती है। सावधानी आवश्यक है। थकान महसूस होगी। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक : तंत्र-मंत्र में रुचि जागृत होगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। किसी जानकार व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त हो सकता है। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

धनु : व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। लाभ के लिए प्रयास करें। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पार्टनरों से कहासुनी हो सकती है। भागदौड़ होगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है।

मकर : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। निवेश सोच-समझकर करें। नौकरी में चैन रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि अपमान हो। व्यापार-व्यवसाय अनुकूल रहेगा। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल बनेगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

कुंभ : सुख के साधन जुटेंगे। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। उत्साह बना रहेगा। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। आशंका व कुशंका रहेगी। कार्य में बाधा संभव है। स्वास्थ्य संबंधी चिंता बनी रहेगी।

मीन : यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता प्राप्त करेगा। विवेक का प्रयोग करें। समस्याएं कम होंगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय रहेगा। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

हरड़ का सेवन शरीर को बना देगा लोहा!

■ जानिए कैसे ये एक छोटी सी चीज है सेहत का खजाना

आयुर्वेद में कई ऐसी औषधियां बताई गई हैं जिनका उपयोग हजारों वर्षों से किया जा रहा है. इन्हीं में से एक है हरीतकी जिसे आम भाषा में हरड़ या हरण भी कहा जाता है. इसे आयुर्वेद में अमृतफल कहा गया है क्योंकि इसके औषधीय गुण शरीर की कई समस्याओं को दूर करने में सक्षम हैं. हरीतकी में विटामिन सी, विटामिन के, अमीनो एसिड, मैग्नीशियम, फ्लेवेनॉएड और एंटी ऑक्सीडेंट्स जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं. यही कारण है कि इसे 'औषधियों की रानी' कहा जाता है. आयुर्वेदिक ग्रंथों में इसका उल्लेख कई बार मिलता है और यह त्रिफला का एक मुख्य घटक भी है.

■ हरीतकी (हरड़) के औषधीय गुण

डॉ राजकुमार (आयुष) ने कहा कि हरीतकी को खासतौर पर रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जाना जाता है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने का काम करते हैं. यह शरीर के मेटाबॉलिज्म को ठीक रखता है और पाचन शक्ति को मजबूत बनाता है. इसके अलावा यह रक्त को शुद्ध करने और त्वचा को निखारने में भी कारगर मानी जाती है. आजकल मधुमेह यानी डायबिटीज एक आम समस्या बन चुकी है. हरीतकी का नियमित

सेवन ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है. यह शरीर में इंसुलिन की क्रिया को संतुलित रखती है और ब्लड ग्लूकोज लेवल को सामान्य बनाए रखने में मदद करती है. डायबिटीज के रोगियों के लिए इसका चूर्ण बहुत फायदेमंद माना जाता है.

■ पाचन तंत्र को रखती है स्वस्थ

हरीतकी का सबसे बड़ा फायदा पाचन से जुड़ा हुआ है. यह कब्ज, गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याओं को दूर करने में कारगर है. हरीतकी चूर्ण का सेवन करने से आंते साफ होती हैं और भोजन अच्छे से पचता है. इसका रेचक गुण पेट से मल को बाहर निकालने में सहायक होता है जिससे कब्ज की समस्या नहीं होती. बदलते मौसम और प्रदूषण की वजह से रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना बहुत जरूरी है. हरीतकी शरीर में इम्युनिटी बढ़ाती है और बैक्टीरियल व वायरल इंफेक्शन से बचाती है. जो लोग अक्सर सर्दी-जुकाम या संक्रमण की चपेट में आते हैं उनके लिए यह औषधि बहुत लाभकारी है.

■ त्वचा और बालों के लिए लाभकारी

हरीतकी का सेवन त्वचा को प्राकृतिक निखार देता है. यह रक्त को शुद्ध करके चेहरे पर ग्लो लाता है और मुंहासों को दूर करने में मदद करता है. इसके अलावा हरीतकी बालों की जड़ों को मजबूत बनाती है और डैंड्रफ को खत्म करती है. आयुर्वेद में इसे प्राकृतिक ब्यूटी टॉनिक कहा गया है. जिन लोगों का वजन लगातार बढ़ रहा है उनके लिए हरीतकी फायदेमंद हो सकती है. यह शरीर से टॉक्सिन बाहर निकालती है और मेटाबॉलिज्म को तेज करती है. इससे फैट तेजी से बर्न होता है और मोटापा नियंत्रित रहता है.

सर्दी-जुकाम में तुरंत आराम पाने का आसान नुस्खा!

नाक और गले को नम रखकर राहत देती है.

इन समस्याओं में है फायदेमंद

भाप लेना सिर्फ सर्दी-जुकाम तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह कई और श्वास संबंधी समस्याओं में भी कारगर है: सर्दी-जुकाम, साइनसाइटिस और सिरदर्द, एलर्जी से नाक बंद होना, ब्रोंकाइटिस, गले की खराश और सूखी खांसी

सामग्री:

एक बड़ा बर्तन और गर्म पानी
एक बड़ा तौलिया
यूकेलिप्टस (नीलगिरी) तेल, पिपरमिंट ऑयल, अजवाइन

विधि:

पानी को तब तक उबालें जब तक भाप न निकलने लगे. फिर बर्तन को एक मजबूत टेबल पर रखें. अपने सिर और बर्तन को तौलिये से ढकें, ताकि भाप बाहर न जाए. आराम से गहरी सांसें लें, नाक से सांस लें और मुंह से छोड़ें. इस प्रक्रिया को 5-10 मिनट तक दोहराएं. भाप लेने के बाद तुरंत ठंडी हवा में न जाएं.

सर्दी, एलर्जी या संक्रमण के कारण नाक, श्वासनली और फेफड़ों में सूजन आ जाती है और गाढ़ा बलगम जम जाता है. यही बलगम सांस लेने में रुकावट पैदा करता है. भाप की नमी और गर्माहट इस गाढ़े बलगम को पतला कर देती है, जिससे वायुमार्ग साफ होते हैं और सांस लेने में आसानी होती है.

भाप लेने के फायदे

बलगम को पतला करना: भाप की नमी और गर्माहट गाढ़े बलगम को पतला कर देती है, जिससे वायुमार्ग साफ होते हैं.

रक्त संचार बढ़ाना: गर्माहट श्वास मार्ग में रक्त प्रवाह को बढ़ाती है, जिससे सूजन कम होती है और जकड़न में आराम मिलता है.

नाक को नम रखना: सूखी हवा नाक को सुखा देती है, जिससे जलन और तकलीफ बढ़ती है. भाप

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

चार दिन से बंद घर में सड़ रहा था महिला का शव

वाराणसी. उत्तर प्रदेश के वाराणसी से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां बागपुर गांव के बंद मकान में बुधवार को चार-पांच दिन पुराना एक महिला का शव मिला। मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। उधर, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ताला तोड़कर शव को बाहर निकाला गया। वहीं, बेटे ने पिता पर मां की हत्या का आरोप लगाया है। ये मामला बरदह थाना क्षेत्र के बागपुर गांव का है। 35 वर्षीया इंदू प्रजापति पत्नी महेश प्रजापति का घर गांव के बाहर है। उसका पति से विवाद चलता था। उनके दो बेटे हैं। एक ननिहाल में दूसरा बुआ के घर रहता है। इंदू प्रजापति ठेकमा सीएचसी के पास एक समूह की कैंटीन में काम करती थी। चार-पांच दिन पहले पति उससे मिलने के लिए कैंटीन गया था। इसके बाद वह पति के साथ घर आई थी। करीब चार दिन से घर में बाहर से ताला लगा था। उसका पति भी घर नहीं आया। बंद घर से तेज दुर्गंध आ रही थी। आस-पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

यूपी में सपा विधायक कावेंद्र चौधरी के साले ने की खुदकुशी, फंदे से लटका मिला शव

लखनऊ. लखनऊ से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां सपा विधायक कादर चौधरी के साले ने फांसी के फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। ये मामला गोमतीनगर सृजन विहार कॉलोनी का है। जहां 27 वर्षीय कार्तिकेय राज वर्मा ने फांसी लगा ली। वह अंबेडकरनगर में होटल भी चलाते थे। कार्तिकेय के जीजा कावेंद्र चौधरी बस्ती से सपा विधायक हैं। इंस्पेक्टर गोमतीनगर ब्रजेश चंद्र तिवारी के मुताबिक कार्तिकेय के पिता शोभा राम वर्मा बलिया में जिला पंचायत विभाग में इंजीनियर हैं। मंगलवार देर रात कार्तिकेय ने फांसी लगा ली। बुधवार सुबह कमरे में फंदे पर कार्तिकेय को लटका देख नौकर ने शोर मचा दिया। घटना के समय शोभाराम घर पर नहीं थे। नौकर ने शोभाराम व अन्य घरवालों को सूचना दी।

1700 रुपए के लिए कातिल बन गए दोस्त, गला दबाकर हत्या की; जंगल में फेंक दी लाश

उत्तर प्रदेश के सोनभद्र में दो दोस्त महज 1700 रुपए के लिए दोस्त का कातिल बन गए। उन्होंने गला दबाकर अपने दोस्त को मार डाला और उसकी लाश को जंगल में ले जाकर फेंक दिया। मारे गए शख्स के बेटे की तहरीर के आधार पर दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज था। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना सोनभद्र के बभनी थाना क्षेत्र के बजिया-जौराही बार्डर की है। यहां के जंगल में मिले कंकाल के मामले में पुलिस ने मंगलवार को दो लोगों को गिरफ्तार किया। दोनों ने 12 दिन पहले 1700 रुपये नहीं देने पर अपने दोस्त की गला दबाकर हत्या कर शव जंगल में फेंक दिया था। इधर, लापता शख्स की तलाश में उसके घरवाले बुरी तरह परेशान थे। लापता शख्स के बेटे ने पुलिस से भी मामले की शिकायत की थी। उसने दो लोगों पर शक भी जताया था। बभनी थाने के प्रभारी निरीक्षक कमलेश पाल ने बताया कि कनवा-बरवाटोला निवासी सूरज ने सोमवार को थाने में तहरीर देकर 12 दिन से पिता के लापता होने की सूचना दी थी।

लद्दाख में युवाओं का आंदोलन हुआ हिंसक

- पत्थरबाजी के बाद BJP दफ्तर फूंका
- सड़कों पर क्यों उतरे लोग?

लेह. केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की राजधानी लेह में छात्रों और युवाओं का प्रदर्शन बुधवार को तब हिंसक रूप ले लिया, जब प्रदर्शनकारियों ने भाजपा के दफ्तर पर पत्थरबाजी करने के बाद उस पर हमला बोल दिया और वहां आग लगा दी। आंदोलनकारी युवाओं को काबू में करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। इससे लोग और उग्र हो गए और पत्थरबाजी करने लगे। पुलिस कार्रवाई से भड़के प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस वैन को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने उग्र छात्रों पर लाठीचार्ज भी किया है।

एक अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों ने लेह में भाजपा कार्यालय के बाहर एक सुरक्षा वाहन को आग लगा दी। उन्होंने बताया कि व्यवस्था बहाल करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। छात्रों का यह विरोध प्रदर्शन लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिए जाने और संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किए जाने की मांग के समर्थन में है। इसी मांग को लेकर मशहूर पर्यावरणविद सोनम वांगचुक पिछले 15 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उन्हीं के समर्थन में छात्रों का बड़ा हुजूम लेह की सड़कों पर उतर आया और केंद्र सरकार से लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग करने लगा।

15 दिनों से वांगचुक भूख हड़ताल पर

बता दें कि बुधवार को स्थानीय लोगों ने सोनम वांगचुक के समर्थन में लद्दाख बंद का आह्वान किया था। इसके बाद सैकड़ों लोग लेह की सड़कों पर उतर आए थे। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक और उनके कई साथी 10 सितंबर से 35 दिनों की भूख हड़ताल पर बैठे हैं। हालांकि, केंद्र सरकार ने 6 अक्टूबर को लद्दाख के प्रतिनिधियों को बातचीत के लिए बुलाया है। इसमें लेह एपेक्स बॉडी (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के सदस्य शामिल हैं।

प्रदर्शनकारियों की चार मांगें क्या?

प्रदर्शनकारियों की चार मांगें हैं। पहली लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाए। दूसरी, लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल किया जाए। तीसरी, लद्दाख में लोकसभा सीटें बढ़ाकर दो की जाएं और चौथी लद्दाख की जनजातियों को आदिवासी का दर्जा दिया जाए। छात्रों ने इन मांगों के समर्थन में रैली भी निकाली है। बता दें कि 5 अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 निरस्त करते हुए केंद्र सरकार ने जम्मू-कश्मीर को दो केंद्रशासित प्रदेशों में बांट दिया था। जम्मू-कश्मीर को एक केंद्र शासित प्रदेश जबकि लेह, लद्दाख और करगिल को मिलाकर एक प्रदेश बनाया गया था। अब उसी लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग उठ रही है।

पुलिस और प्रदर्शनकारियों में भिड़ंत

इसी दौरान प्रदर्शनकारी छात्रों की पुलिस से भिड़ंत हो गई और देखते ही देखते प्रदर्शन हिंसक रूप अख्तियार कर लिया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की फिर सीआरपीएफ की गाड़ियां फूंक दी। भाजपा दफ्तर को भी आग के हवाले कर दिया। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है। हालात को देखते हुए अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है।

गुजरात में 400 साल पुरानी मस्जिद का तोड़ा जाएगा हिस्सा

- कोर्ट का बचाव से इनकार

अहमदाबाद. गुजरात में सड़क चौड़ीकरण के लिए 400 साल पुरानी एक मस्जिद का हिस्सा तोड़ा जाएगा। गुजरात हाई कोर्ट ने मंगलवार को मंछा मस्जिद ट्रस्ट की याचिका खारिज कर दी, जिसमें अहमदाबाद म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (AMC) से मिले नोटिस को रद्द करने की मांग की गई थी। सरसपुर में मौजूद मस्जिद के एक हिस्से को शांतिपूर्वक खाली करने का नोटिस दिया गया था। नगर विकास योजना के तहत एक सड़क का चौड़ीकरण होना है।

गुजरात हाईकोर्ट ने अहमदाबाद नगर निगम की सड़क विस्तार परियोजना को 'जनहित' में मानते हुए मंचा मस्जिद ट्रस्ट की याचिका को खारिज कर दिया और नोटिस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति मौना भट्ट ने फैसला देते हुए कहा कि वक्फ ऐक्ट के प्रावधान इस मामले में लागू नहीं होते, क्योंकि नगर आयुक्त ने GPMC ऐक्ट के तहत विशेष शक्तियों का प्रयोग किया है।

ट्रस्ट ने दावा किया कि नोटिस और सुनवाई AMC के डिप्टी एस्टेट ऑफिसर द्वारा की गई, जबकि GPMC ऐक्ट के अनुसार निर्णय की शक्ति नगर आयुक्त के पास है।

महाराष्ट्र के 5 जिलों में बाढ़, 8 लोगों की मौत

- बंगाल में 10 की जान गई; मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू

नई दिल्ली. महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में पिछले चार दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण अब तक 8 लोगों की मौत हो गई है। इनमें लातूर में तीन, बीड में दो और छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड़ और धाराशिव में एक-एक लोगों की मौत बिजली गिरने, डूबने और अन्य कारणों से हुई है।

एक अधिकारी ने बताया कि मराठवाड़ा के आठ जिलों में 766 घरों को बाढ़ से नुकसान पहुंचा है। 33,010 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन पर लगी फसलें खराब हो गईं। बीड और धाराशिव में पांच बांध, कई सड़कें, पुल और स्कूलों को भी नुकसान पहुंचा है। इधर, पश्चिम बंगाल के कोलकाता और आसपास के जिलों में बारिश से मरने वालों का आंकड़ा 10 पहुंच गया है। इनमें 8 मौतें सिर्फ कोलकाता में हुईं। 10 में से 9 लोगों की मौत करंट लगने से हुई। कोलकाता के कई इलाके लगातार दूसरे दिन जलमग्न हैं। कोलकाता में सोमवार देर रात से मंगलवार सुबह तक 251.4 मिमी बारिश हुई थी। कोलकाता में 39 साल बाद एक दिन में इतनी ज्यादा बारिश हुई थी। इससे पहले 26 सितंबर 1986 को एक दिन में 259.5 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

भारी बारिश के चलते पूरा कोलकाता के ज्यादातर इलाकों में 2 से 3 फीट तक पानी भर गया। 30 से ज्यादा फ्लाइट्स और कई ट्रेनें कैंसिल की गईं। स्कूल-कॉलेजों में 25 सितंबर तक छुट्टी की गई है। मूसलाधार बारिश से कई दुर्गा पूजा पंडालों और मूर्तियों को भी नुकसान पहुंचा है।

इधर, मध्यप्रदेश से मानसून की वापसी शुरू हो गई है। मौसम विभाग ने बुधवार को नीमच, श्योपुर, मुरैना और भिंड से मानसून के विदा होने की घोषणा कर दी।

दिल्ली में कॉलेज प्रमुख पर यौन शोषण का आरोप

- 17 छात्राएं बोलीं- अश्लील मैसेज भेजे, जबरन छूता था;
- फैकल्टी कहती थी- उसकी बात मानो

नई दिल्ली. दिल्ली के श्री शारदा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन मैनेजमेंट के पूर्व चीफ स्वामी चैतन्यानंद सरस्वती पर 17 स्टूडेंट्स से यौन शोषण के आरोपों का बुधवार को खुलासा हुआ।

छात्राएं इंस्टीट्यूट में EWS स्कॉलरशिप के तहत PGDM (पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन मैनेजमेंट) कर रही हैं। चैतन्यानंद पर उनसे गंदी बातें करने, अश्लील मैसेज भेजने और जबरन छूने का आरोप है।

चैतन्यानंद सरस्वती उर्फ पार्थ सारथी के खिलाफ 4 अगस्त को वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस स्टेशन में FIR दर्ज की गई थी। तब वह इंस्टीट्यूट का प्रमुख था। उसे 9 अगस्त को पद से हटाकर निष्कासित किया गया था।

FIR दर्ज होने के बाद से चैतन्यानंद फरार है। पुलिस को यूपी के आगरा में उसकी लोकेशन मिली है। दिल्ली पुलिस ने शारदा इंस्टीट्यूट के बेसमेंट से चैतन्यानंद की एक वॉल्वो कार जब्त की है।

उस पर यूनाइटेड नेशन (UN) की नंबर प्लेट लगी थी। आमतौर पर ऐसे नंबर राजनयिकों को जारी किए जाते हैं। पुलिस ने बताया कि चैतन्यानंद को यह नंबर UN से जारी नहीं हुआ था। उसने खुद ही लिखवाया था।

दिल्ली स्थित शारदा इंस्टीट्यूट कर्नाटक के श्रृंगेरी स्थित दक्षिणाम्नॉय श्री शारदा पीठ की शाखा है। पीठ ने पूरे मामले पर बयान जारी कर कहा कि स्वामी चैतन्यानंद का आचरण और गतिविधियां अवैध और पीठ के हितों के खिलाफ हैं, इसलिए पीठ का उससे कोई संबंध नहीं है।

छात्राएं बोलीं- वार्डन ने उन्हें चैतन्यानंद से मिलवाया था

दिल्ली पुलिस के मुताबिक, मठ और उसकी संपत्तियों के एडमिनिस्ट्रेटर पी.ए. मुरली ने चैतन्यानंद के खिलाफ 4 अगस्त को शिकायत की थी। पूछताछ के दौरान 32 छात्राओं के बयान दर्ज किए गए. इनमें से 17 ने चैतन्यानंद पर यौन शोषण के आरोप लगाए। छात्राओं ने दावा किया कि इंस्टीट्यूट में काम करने वाले कुछ वार्डन ने उन्हें आरोपी से मिलवाया था। पीड़ितों ने बताया कि महिला फैकल्टी और कर्मचारी उनपर आरोपी की बातें मानने का दबाव डालती थीं।

रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी

सरकार ने 78 दिन के बोनस का किया ऐलान

नई दिल्ली. रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। सरकार ने रेलवे कर्मचारियों के लिए बोनस का ऐलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशहरा और दिवाली की छुट्टियों से पहले आज बुधवार को रेलवे कर्मचारियों के लिए 1,866 करोड़ रुपये के प्रोडक्टिविटी लिंक्ड बोनस (PLB) को मंजूरी दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह बोनस उनके 78 दिनों के वेतन के बराबर है। बता दें कि केंद्र सरकार ने देश भर के लगभग 11 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारियों को फायदा होगा। इससे पहले पिछले साल 3 अक्टूबर को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 11.72 लाख से अधिक रेल कर्मचारियों के लिए उत्पादकता से जुड़े बोनस के भुगतान को मंजूरी दी थी।

क्या है डिटेल....

सरकार के बयान के मुताबिक, यह बोनस लगभग 10.90 लाख कर्मचारियों को दिया जाएगा। रेलवे कर्मचारियों को दिया जाने वाला यह बोनस हर साल उनके उत्पादकता और प्रदर्शन से जुड़ा होता है। इस वर्ष कर्मचारियों को अधिकतम 78 दिनों के वेतन के बराबर बोनस दिया जाएगा, जिसकी अधिकतम सीमा प्रति कर्मचारी 17,951/- तय की गई है। इस बोनस का लाभ कई श्रेणियों के कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें ट्रैक मेंटेनर, लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर (गार्ड), स्टेशन मास्टर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन, टेक्नीशियन हेल्पर, पॉइंट्समैन, मिनिस्टीरियल स्टाफ और अन्य ग्रुप 'C' कर्मचारी शामिल हैं। बता दें कि सरकार का यह फैसला ऐसे समय पर आया है जब त्योहारी सीजन में खुदरा बाजार और कारोबारियों को मजबूत मांग की उम्मीद है।

CJI बोले- बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आदेश देना संतोषजनक

- इसमें मानवीय पहलू जुड़ा था
- सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में बनाई थी गाइडलाइन

नई दिल्ली. भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने मंगलवार को कहा कि बुलडोजर एक्शन के खिलाफ आदेश देने पर उन्हें बेहद संतुष्टि मिली थी। इस फैसले में मानवीय पहलू भी जुड़ा था। किसी परिवार को सिर्फ इसलिए परेशान नहीं किया सकता कि उस परिवार का एक सदस्य अपराधी है।

सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के एक एकेडमिक समूह, 269वें फ्राइडे ग्रुप के कार्यक्रम में बोलते हुए गवई ने कहा- बेंच में उनके साथ जस्टिस केवी विश्वनाथन भी शामिल थे। हालांकि ज्यादातर श्रेय मुझे दिया गया है, लेकिन मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस फैसले को लिखने का क्रेडिट जस्टिस विश्वनाथन को भी जाना चाहिए।

दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2024 में बुलडोजर एक्शन पर फैसला सुनाया था। कोर्ट ने कहा था कि अफसर जज नहीं बन सकते। वे तय न करें कि दोषी कौन है। बेंच ने ये भी कहा था कि 15 दिन के नोटिस के बगैर निर्माण गिराया तो अफसर के खर्च पर दोबारा बनाना पड़ेगा। अदालत ने 15 गाइडलाइंस भी दीं थीं।

लालू-राबड़ी को हाजिर होने के आदेश

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले लैंड फॉर जॉब मामले में लालू परिवार को झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 13 अक्टूबर को राजद सुप्रीमो लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी को कोर्ट में हाजिर होने के निर्देश दिए हैं। CBI ने आरोप लगाया है कि 'जिन लोगों को रेलवे में नौकरी मिली, उनके परिजन ने जो जमीनें लालू परिवार को दीं, वे जमीनें सर्कल रेट पर दर्ज थीं, जबकि उस समय का मार्केट रेट सर्कल रेट से चार से छह गुना ज्यादा था।'

'यानी जमीनों की वैल्यू को जानबूझकर कम दिखाया गया और कम कीमत पर लालू परिवार के नाम की गईं। CBI ने अपने आरोपपत्र में कुछ ऐसे मामलों का भी जिक्र किया है जहां आरोपियों ने लालू परिवार, खासकर उनकी पत्नी राबड़ी देवी को 3.75 लाख रुपए के सर्किल रेट पर अपनी जमीन बेचने का दावा किया है।

श्रेयस अय्यर ने टेस्ट क्रिकेट से ब्रेक लिया

पीठ की समस्या और दबाव के कारण फैसला लिया अब वनडे-टी-20 पर फोकस करेंगे

मुंबई के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (BCCI) और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर को सूचित किया है कि वह अब लाल गेंद (रेड-बॉल) क्रिकेट यानी टेस्ट और प्रथम श्रेणी क्रिकेट से ब्रेक लेना चाहते हैं।

यह फैसला उन्होंने लखनऊ में चल रहे इंडिया-ए और ऑस्ट्रेलिया-ए के बीच मैच से हटने के दो दिन बाद लिया।

दो महीने के बाद 31 साल के होने वाले अय्यर ने मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर से बात कर अपनी परेशानी बताई। अय्यर ने कहा कि उनके लिए लंबे फॉर्मेट के क्रिकेट का दबाव झेलना मुश्किल हो रहा है और उन्हें पीठ में तकलीफ महसूस हो रही है। इसी कारण उन्होंने इंडिया-ए के मैच से नाम वापस ले लिया।

अय्यर टी-20 और वनडे पर कर सकेंगे फोकस

अय्यर का यह फैसला उनके करियर के लिए एक बड़ा कदम हो सकता है। अब वह वनडे और टी-20 क्रिकेट पर ज्यादा ध्यान दे सकते हैं। साथ ही, पीठ की समस्या को ठीक करने के लिए वह रिहैबिलिटेशन और फिटनेस पर भी काम कर सकते हैं।

चयनकर्ता 2 अक्टूबर से अहमदाबाद में शुरू होने वाली दो मैचों की वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के लिए 24 सितंबर को टीम चुनने वाले हैं। माना जा रहा था कि सिलेक्टर्स अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में वापसी का मौका दे सकते हैं।

टेस्ट क्रिकेट में अय्यर का प्रदर्शन

श्रेयस अय्यर ने फरवरी 2024 से टेस्ट क्रिकेट में वापसी नहीं की है। उन्होंने 14 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उनकी एकमात्र शतकीय पारी 2021 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कानपुर में डेब्यू टेस्ट में आई थी। हाल ही में दलीप ट्रॉफी में उनके प्रदर्शन ने निराश किया, जहां उन्होंने 25 और 12 रन बनाए। इसके बाद इंडिया-ए के लिए पिछले हफ्ते वह सिर्फ 8 रन ही बना सके। हालांकि, पिछले घरेलू फर्स्ट क्लास सीजन में उनका प्रदर्शन शानदार रहा था, जिसके चलते चयनकर्ताओं ने उन्हें इंडिया-ए का कप्तान बनाया था।

रामलीला का मंचन करते कलाकार की मौत

शिमला. हिमाचल प्रदेश के चंबा में रामलीला का मंचन करते समय एक कलाकार की हार्ट अटैक से मौत हो गई। कलाकार मंच पर बनाए सिंहासन पर ही लुढ़क गया। यह घटना लाइव वीडियो में रिकॉर्ड हुई। जिस समय यह घटना हुई, उस समय रामलीला में सीता स्वयंवर का मंचन हो रहा था। हार्ट अटैक से करीब 1 मिनट पहले ही मंच पर दशरथ और विश्वामित्र में संवाद हो रहा था। इसमें विश्वामित्र पूछते हैं- राजा दशरथ मेरे लिए क्या करते सकते हैं? इस पर दशरथ ने हंसते हुए कहा, 'आपके लिए प्राण भी न्योछावर कर दूंगा।' इसके कुछ ही क्षण बाद दशरथ का किरदार निभा रहे कलाकार अचेत हो गए। मृतक की पहचान अमरेश महाजन (73) उर्फ शिबू भाई के रूप में हुई है। वह करीब 40 सालों से प्रभु श्रीराम के पिता दशरथ का रोल कर रहे थे।

EVM के खिलाफ याचिका देने वाले से बोला दिल्ली HC

इन सब में न पड़ें, कुछ अच्छे काम करें

नई दिल्ली. दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनावों में EVM यानी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। याचिका के जरिए मांग की गई थी कि चुनावों में EVM के इस्तेमाल पर रोक लगा दी जाए। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता को 'इन कामों में न पड़ने' की सलाह दी है। खास बात है कि विपक्ष लगातार चुनाव आयोग पर सवाल उठा रहा है।

बार एंड बेंच के अनुसार, दिल्ली हाईकोर्ट ने चुनावों में मशीन के इस्तेमाल के खिलाफ पहुंची याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने कहा, 'इन सब कामों में मत पड़िए। कुछ अच्छा काम करें।'

चुनाव आयोग ने किए बदलाव

EVM अब उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें होंगी और इसकी शुरुआत बिहार विधानसभा चुनावों से होगी। वर्ष 2015 से EVM पर उम्मीदवारों की श्वेत-श्याम तस्वीरें होती थीं, जिन्हें पहचानना कई मतदाताओं के लिए मुश्किल होता था। निर्वाचन आयोग ने EVM मतपत्रों की स्पष्टता और पठनीयता बढ़ाने के लिए चुनाव संचालन नियम, 1961 की धारा 49बी के तहत EVM मतपत्रों के डिजाइन व मुद्रण के मौजूदा दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। आयोग ने बीते सप्ताह बताया, 'अब से EVM पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें छपी होंगी। बेहतर दृश्यता के लिए उम्मीदवार का चेहरा तस्वीर के तीन-चौथाई हिस्से पर होगा।' उम्मीदवारों के क्रमांक और इनमें से कोई नहीं (नोटा) विकल्प भारतीय अंकों के अंतरराष्ट्रीय रूप में छपे होंगे। स्पष्टता के लिए फॉन्ट का आकार 30 होगा और बोल्ड में लिखा होगा।

आयोग ने बताया कि एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सभी उम्मीदवारों के नाम और 'नोटा' विकल्प एक ही फॉन्ट प्रकार और आसानी से पढ़े जाने योग्य बड़े आकार में छपे होंगे। EVM मतपत्र 70 जीएसएम कागज पर मुद्रित किए जाएंगे।

SC ने कहा- हम तुरंत क्यों सुनें किसी का मुकदमा

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश और नवंबर में भारत के अगले मुख्य न्यायाधीश (CJI) बनने वाले जस्टिस सूर्यकांत ने मंगलवार को एक वकील की तगड़ी खिंचाई कर दी। उन्होंने कहा कि वह किसी मामले को उसी दिन तत्काल सुनवाई के लिए तब तक सूचीबद्ध नहीं करेंगे, जब तक कि किसी की फांसी न होने वाली हो। उन्होंने यह भी पूछा कि क्या कोई जजों की व्यथा, उनके काम के घंटों और उनकी नींद की कमी को समझता है।

दरअसल सुबह की मेंशनिंग सेशन के दौरान एक वकील ने अपने मुवक्किल के मकान की उसी दिन नीलामी होने का हवाला देते हुए पीठ के समक्ष तत्काल सुनवाई की गुहार लगाई। इस पर

जस्टिस सूर्यकांत ने कहा, 'जब तक किसी को फांसी न होने वाली हो, मैं कभी भी किसी मामले को उसी दिन सूचीबद्ध नहीं करूंगा।' उन्होंने आगे कहा, 'आप लोग जजों की हालत नहीं समझते... क्या आपको पता है हम कितने घंटे सोते हैं? जब तक किसी की आजादी दांव पर न हो, उसी दिन सुनवाई की मांग न करें।'

जस्टिस सूर्या कांत की अध्यक्षता वाली पीठ में जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह भी शामिल थे। आमतौर पर, रोस्टर के मास्टर के रूप में, मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बी.आर. गवई इस तरह के उल्लेखों की सुनवाई करते हैं। हालांकि, वह वर्तमान में पांच जजों की संविधान पीठ में व्यस्त हैं। ऐसी स्थिति में, प्रथा के अनुसार, दूसरी सबसे वरिष्ठ जज तत्काल मामलों की सुनवाई करते हैं।

क्या था मामला?....

जस्टिस कांत की यह टिप्पणी तब आई, जब वकील शोभा गुप्ता ने राजस्थान में एक आवासीय मकान की नीलामी से संबंधित एक मामले को उसी दिन सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। गुप्ता ने कहा कि मकान की नीलामी आज होनी है, इसलिए मामले को तत्काल सुनवाई के लिए लिया जाए। जब गुप्ता ने बार-बार अनुरोध किया, तो जस्टिस कांत ने पूछा कि नीलामी का नोटिस कब जारी किया गया था। गुप्ता ने बताया कि नोटिस पिछले हफ्ते जारी हुआ था और बकाया राशि का कुछ हिस्सा पहले ही चुकाया जा चुका है। जस्टिस कांत ने गुप्ता को सख्त लहजे में कहा कि अगले कुछ महीनों तक मामले की सुनवाई की उम्मीद न करें। हालांकि, बाद में उन्होंने कोर्ट मास्टर को निर्देश दिया कि इस मामले को शुक्रवार के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

डॉक्टर बनना नहीं चाहता

- MBBS में दाखिला लेने से पहले ही छात्र ने की खुदकुशी

चंद्रपुर. महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले से हैरान करने वाली एक खबर आई है। NEET परीक्षा में 99.99 परसेंटाइल नंबर लाने वाले 19 वर्षीय एक छात्र ने MBBS में दाखिला लेने से पहले ही खुदकुशी कर ली है। NDTV की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अनुराग अनिल बोरकर नाम के पीड़ित ने कथित तौर पर एक सुसाइड नोट छोड़ा है,जिसमें उसने लिखा है कि वह डॉक्टर नहीं बनना चाहता था। उसका एडमिशन उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में होना था और वहां जाने के लिए वह अगले ही दिन रवाना होने वाला था लेकिन उससे पहले ही अनुराग ने मौत को गले लगा लिया।

चंद्रपुर जिले से सिंदेवही तालुका के नवारगाँव निवासी अनुराग अपने परिवार के साथ रहता था। उसने हाल ही में NEET UG 2025 परीक्षा 99.99 पर्सेंटाइल के साथ पास की थी। उसने ओबीसी कैटगरी में ऑल इंडिया 1475 रैंक हासिल की थी। अपनी इस सफलता के बाद, वह MBBS कोर्स में दाखिले के लिए उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जाने की तैयारी कर रहा था।

महाराष्ट्र पुलिस के मुताबिक, अनुराग ने गोरखपुर रवाना होने से एक दिन पहले ही अपने आवास पर आत्महत्या कर ली। वह घर पर फंदे से लटका हुआ पाया गया। घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है।

संक्षेप...

वांछित गैंगस्टर रॉयल सिंह गिरफ्तार

मुंबई. पुलिस के वांछित गैंगस्टर रॉयल सिंह को मुम्बई पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि वह जम्मू से भाग कर इन दिनों मुम्बई में छुपा हुआ था। जहां जम्मू पुलिस की सूचना पर उसे वहां पकड़ा है। रॉयल सिंह को जम्मू लाने के लिए पुलिस की एक टीम मुम्बई के लिए रवाना हो गई है। बीते माह ही रॉयल सिंह ने जम्मू के गांधी नगर में एक होटल में प्रतिद्वंद्वी गैंग के सदस्य की हत्या करने की मंशा से पिस्तौल लहराते हुए घूस गया था। जिसके बाद गांधी नगर पुलिस थाने में उसके विरुद्ध मामला दर्ज हुआ था.

धोकादायक इमारत दुरुस्ती के नाम पर प्रभाग अधिकारी भर रहे जेब

- **प्रभाग अधिकारी की बदौलत मनपा को भारी नुकसान.**

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी में करीब 1444 इमारतें धोकादायक घोषित की गई है.मनपा वार्ड अधिकारी बिल्डरों से मिलीभगत कर रिपेयरिंग नहीं होने वाली बिल्डिंगों की भी इंजीनियरों को पैसे का लालच देकर आडिट रिपोर्ट लेकर दुरुस्ती मंजूरी देकर मनपा राजस्व का भारी नुकसान कर रहे हैं.पैसों के लालच में क्षेत्रीय मनपा वार्ड अधिकारी धोकादायक घोषित और तोड़ने वाली इमारतों की भी दुरुस्ती मंजूरी देकर अपनी जेब भर रहे हैं जिससे मनपा खजाने को भारी चूना लग रहा है.

गौरतलब हो कि,भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत कुल बिल्डिंगे 1,444 बिल्डिंग धोकादायक घोषित की गई हैं.धोकादायक बिल्डिंगों को 4 श्रेणी में बांटा गया है.सी 1,सी 2 श्रेणी की बिल्डिंगों को आडिट कर दुरुस्ती मंजूरी और सी 2 ए और सी 2 बी कैटिगरी अतिजर्जर इमारतों को जमींदोज किए जाने का नियम है.भिवंडी मनपा प्रभाग क्रमांक 1 में 138, प्रभाग क्रमांक 2 में 383, प्रभाग क्रमांक 3 में 218 और मनपा प्रभाग क्रमांक 4 में 364 एवं मनपा

प्रभाग क्रमांक 5 अंतर्गत कुल 341 इमारतें धोकादायक/ अति धोकादायक घोषित की गई है.धोकादायक घोषित इमारतों में सर्वाधिक मनपा प्रभाग क्रमांक 2,4,5 में चिन्हित की गई हैं.सी 2 बी और सी 3 कैटिगरी की अति जर्जर इमारतों की संख्या करीब 1,100 है.जागरूक लोगों का आरोप है कि,अति जर्जर इमारतों को तोड़ने में मनपा अधिकारी जन प्रतिनिधियों,रहिवासियों से आर्थिक फायदे की खातिर नियम कानून को ठेंगा दिखाते हुए सिर्फ पैसे का गेम खेलते देखे जाते हैं. आश्चर्यजनक है कि, मनपा क्षेत्रीय वार्ड अधिकारी एवं नगर विकास विभाग अधिकारी मोटी रकम की आडिट की आड़ में बिल्डिंग दुरुस्ती की मंजूरी देकर जहां रहवासियों की जान के साथ खिलवाड़ करते हैं वहीं मनपा को मंजूरी के रूप में मिलने वाले राजस्व का नुकसान करते हैं.मनपा प्रभाग क्रमांक 2,3,4,1 में भारी पैमाने पर इमारत दुरुस्ती के नाम पर जेब भरकर मनपा तिजोरी को वार्ड अधिकारी चुना लगा रहे हैं.

वार्ड अधिकारियों को कोई खौफ नहीं

भिवंडी मनपा के प्रशासक राज में अधिकारियों ने नियम कानून को ताक पर रखा है.समाजसेवक परमेश्वर अंभोरे का कहना है कि,मनपा प्रशासन भी भ्रष्ट अधिकारियों के समक्ष कमोवेश घुटने टेक चुका है.मनपा के भ्रष्ट वार्ड अधिकारी सुबह से शाम सिर्फ वसूली में व्यस्त रहते हैं.अवैध निर्माण को रोकने,धोकादायक इमारतों पर तोड़ कार्यवाही करने अतिक्रमण हटाने और बैनर, पोस्टर निकालने सहित जनहित कार्यों के समाधान में किसी को कोई भी रुचि नहीं है. प्रशासक,आयुक्त की लाख कोशिशों के बावजूद भी मनपा भ्रष्ट अधिकारी हाईकोर्ट द्वारा करीब 300 अवैध इमारतों को तोड़ने के फरमान को भी ठेंगा दिखा रहे हैं. भिवंडी में वार्ड अधिकारी,बीट निरीक्षक की मोटी कमाई का जरिया धोकादायक इमारतें और अवैध निर्माण को संरक्षण है. मनपा अधिकारियों को प्रशासक तो छोड़िए हाईकोर्ट के डंडे का भी कोई खौफ दिखाई नहीं देता है.

दोषी पाए जाने पर कड़क एक्शन लिया जाएगा

धोकादायक इमारतों की दुरुस्ती मनपा प्रशासन द्वारा निर्धारित नियम कानून और आडिट रिपोर्ट के बाद दी जाती है .आडिट रिपोर्ट के बगैर इमारत दुरुस्ती मंजूरी देने वाले क्षेत्रीय अधिकारी के ऊपर कड़क एक्शन लिया जाएगा .

–**विक्रम दराडे**, उपायुक्त अतिक्रमण विभाग भिवंडी मनपा

समावेशी शिक्षा पहल के अंतर्गत कार्यरत

100 संविदा विषय शिक्षकों की स्थायी नियुक्ति के आदेश

ठाणे. जिले में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों की शैक्षिक और चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत समावेशी शिक्षा पहल का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस पहल के अंतर्गत, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल हुई और 2004 से मानदेय पर कार्यरत विषय शिक्षकों और विशेष शिक्षकों को आज स्थायी नियुक्ति आदेश वितरित किए गए।ठाणे जिले में जिला परिषद मुख्यालय में आज मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे के हाथों और शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे की उपस्थिति में कुल 100 विषय शिक्षकों को विशेष शिक्षक के स्थायी पद पर नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहन घुगे ने शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा दिव्यांग एवं विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा हमारी सामूहिक ज़िम्मेदारी है। स्थायी पदों पर नियुक्ति से शिक्षकों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित होगी।

साथ ही शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक) बालासाहेब राक्षे ने कहा इस आदेश से ठाणे ज़िले के विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थियों को नियमित शैक्षणिक सहायता और आवश्यक सुविधाएँ मिल सकेंगी। शिक्षकों को अपना उत्साह और निष्ठा बनाए रखते हुए इस पहल को गति देनी चाहिए।

भारतीय मज़दूर महासंघ द्वारा

16,200 रुपये दिवाली अनुदान की मांग

भिवंडी. भिवंडी मनपा अधिकारियों और कर्मचारियों को पिछले वर्ष की तरह वर्ष 2025 के लिए प्रत्येक कर्मचारी को 16,200 रुपये का दिवाली अनुदान दिया जाने की मांग भारतीय मज़दूर महासंघ द्वारा लिखितपत्र देकर की गई है. आयुक्त एवं प्रशासक अनमोल सागर को लिखित ज्ञापन के माध्यम से वर्ष 2025 के लिए प्रत्येक कर्मचारी को 16,200 रुपये का दिवाली अनुदान देने की मांग की है. पिछले वर्ष मनपा प्रशासन ने प्रत्येक कर्मचारी को 14,200 रुपये का दिवाली अनुदान दिया था.भारतीय कामगार महासंघ भिवंडी इकाई संघ अध्यक्ष भानुदास भसाले और सचिव श्रीपत तांबे ने प्रशासक और आयुक्त अनमोल सागर से लिखित अनुरोध किया है.

भिवंडी में पहला एक्यूपंक्चर चिकित्सा केंद्र शुरू

भिवंडी. शहरवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहल की गई है. स्वयंसिद्धि मित्र संघ कॉलेज ऑफ एक्यूपंक्चर थेरपी, भिवंडी की ओर से महाराष्ट्र आरोग्य शिक्षा मंत्रालय और महाराष्ट्र कौंसिल ऑफ एक्यूपंक्चर से मान्यता प्राप्त भिवंडी का पहला एक्यूपंक्चर चिकित्सा केंद्र सोमवार को शुरू किया गया.उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ नगरसेवक बालाराम चौधरी प्रमुख अतिथि के रूप में मौजूद रहे.दीप प्रज्वलन का कार्य पूर्व सभापति (शिक्षण विभाग) सुंदर नाईक ने किया, जबकि केंद्र के बोर्ड का शुभारंभ बालाराम चौधरी ने किया. इस मौके पर उन्होंने कहा कि ऐसे उपचार केंद्रों की और शाखाएं शहर में

खोली जाएंगी, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके.केंद्र का संचालन सीए सुरेश जैन के मार्गदर्शन में होगा. आयोजकों ने बताया कि भिवंडी में पहली बार आधुनिक तकनीक से बिना दवा और बिना ऑपरेशन का इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है. केंद्र पर गर्दन दर्द, पीठ दर्द, घुटने का दर्द, जमे हुए कंधे, पैरालिसिस, स्पोंडिलोसिस, स्लिप डिस्क, एड़ी का दर्द, सायटिका, सुनपन, झनझनाहट, अर्थराइटिस, सिरदर्द और माइग्रेन जैसी बीमारियों का निशुल्क उपचार किया जाएगा.ओपीडी का समय दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक रखा गया है.यह सेवा हर मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उपलब्ध होगी. इसका मुख्य केंद्र स्वयं सिद्धि शिक्षा संकुल, साई बाबा मंदिर के पास, कल्याण रोड, टेमघर में रखा गया है. उद्घाटन समारोह में सुंदर नाईक, रोहित चौधरी, संतोष पाटील, ट्रस्टी खांटेकर सर, ट्रस्टी सीए सुरेश जैन, सुरेश जाधव, डॉ. यासमीन अंसारी, डॉ. कल्पना, डॉ. मारिया जमीनदार सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे.सभी अतिथियों का स्वागत कॉलेज के प्राध्यापकों ने शाल व पुष्पगुच्छ देकर किया. कार्यक्रम का संचालन प्रो. महेश सोनी ने किया.

2 गांजा तस्कर गिरफ्तार.

भिवंडी. भिवंडी क्राइम ब्रांच ने गांजा बेचने आए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है. क्राइम ब्रांच पुलिस ने आरोपियों के पास से लगभग 4 किलो 827 ग्राम गांजा, एक यामाहा फसिनो स्कूटर तथा अन्य सामान मिलाकर कुल 3,54,800 रुपये मूल्य का माल जब्त किया है. छापेमारी के दौरान एक आरोपी के घर से अवैध माऊजर पिस्टल और एक जिंदा कारतूस भी बरामद हुआ, जिसकी कीमत लगभग 3,85,100 रुपये आंकी गई है.

भिवंडी क्राइम ब्रांच यूनिट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनावने के अनुसार 17 सितंबर 2025 को सपोनि सुनील सालुंखे को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति गांजा बेचने के लिए के.बी. चौकी से ताडाली रोड की ओर आने वाले हैं.

28 को मनाई जाएगी अग्रसेन जंयती

कल्याण. कल्याण, डोंबिवली सहित उल्हासनगर, अंबरनाथ, टिटवाला आदि शहरों में अग्र बंधुओं के बीच पिछले तीन दशक से सक्रियता से कार्यरत अग्रवाल समाज कल्याण के माध्यम से इस वर्ष 28 सितंबर को समाज के कुलगुरु महाराज अग्रसेनजी की 5179 वी जयंती मनाई जाएगी.

बेटे ने दिया पिता की हत्या का कॉन्ट्रैक्ट

6 लाख रुपये खर्च करके मरवाया, ऐसे खुली पोल

मुंब. मुंबई के चारकोप इलाके से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक बेटे ने अपने ही 70 वर्षीय पिता की हत्या करवाने की साजिश रच डाली। घटना के पीछे की वजह पिता और बेटे के बीच चल रहा व्यापार लाभ का विवाद बताया जा रहा है। आरोपी बेटे का नाम हामीद सैयद (41 वर्ष) है, जो अपने पिता अयूब सैयद की ग्लास फैक्टरी में साझेदार था। फैक्टरी में कामकाज को लेकर अक्सर पिता और बेटे के बीच झगड़े होते रहते थे। करीब एक महीने पहले फैक्टरी बंद हो गई थी,

जिसके बाद विवाद और गहरा गया।

पिता से चल रहा था विवाद

हामीद के साथ उसका व्यापारिक साथी शानू चौधरी (40) भी इस साजिश में शामिल था। आरोप है कि दोनों ने मिलकर यह योजना बनाई कि पिता को रास्ते से हटाना ही एकमात्र हल है, क्योंकि पिता न तो मुनाफे का हिस्सा देने को तैयार थे और न ही फैक्टरी की जमीन बेचने पर सहमत थे। इसके बाद हामीद और शानू ने मोहम्मद इस्लाम नाम के एक सुपारी किलर से संपर्क किया और छह लाख पचास हजार रुपये में सौदा तय किया।

सैयद पर चाकुओं से हमला कर हत्या

वारदात के दिन सुबह के समय दो व्यक्ति फैक्टरी में दाखिल हुए और लगभग एक घंटे तक अंदर ही रहे। उसी दौरान उन्होंने सैयद पर चाकुओं से हमला कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। हत्या के बाद हथियार को फैक्टरी के पानी के टैंक में फेंक दिया गया, जिसे बाद में पुलिस ने बरामद कर लिया। जांच के दौरान पुलिस ने मोहम्मद खैरुल इस्लाम (जिसको कॉन्ट्रैक्ट दिया गया उन आरोपियों में से एक) को गिरफ्तार कर लिया, जिसने अपराध स्वीकार कर लिया है। इसके बाद हामीद और शानू को भी हिरासत में ले लिया गया है, जबकि पुलिस दूसरे हमलावर की तलाश में जुटी है।

एसएसटी महाविद्यालय के एनएसएस द्वारा लड़कियों के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता सेमिनार

उल्हासनगर. एसएसटी कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, उल्हासनगर–4 के WDC और राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) विभाग की ओर से लड़कियों के लिए स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी जानकारीपूर्ण सेमिनार का आयोजन किया गया।

इस सेमिनार में विशेषज्ञ श्रीमती भाग्यश्री पाटिल और श्रीमती सोनिया हिरे ने किशोरावस्था की लड़कियों के स्वास्थ्य देखभाल का महत्व, संतुलित आहार, मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य और नियमित व्यायाम के बारे में विस्तृत मार्गदर्शन दिया। साथ

ही व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए उपयोगी सुझाव दिए और छात्राओं को प्रश्नोत्तर के माध्यम से शंका समाधान का अवसर प्रदान किया।

विशेष पहल के अंतर्गत उपस्थित लड़कियों को आवश्यक गुडीज़ और स्वच्छता सामग्री का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में कॉलेज के प्राचार्य, प्राध्यापक वर्ग, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और स्वयंसेवकों ने उपस्थित रहकर इस पहल की सराहना की। सेमिनार से छात्राओं में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी और स्वच्छता के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण मजबूत हुआ।

इस सेमिनार के सफल आयोजन में जूनियर कॉलेज के उप-प्राचार्य श्री देविदास जळकोटे, कार्यक्रम अधिकारी प्रा. नम्रता सिंह, प्रा. सुरभि मिश्रा, प्रा. कुमकुम गुरबानी तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों का बहुमूल्य योगदान रहा।

रिवॉल्वर चोरी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

कर्जत. शहर के भालीवाड़ी स्थित सृष्टि फार्महाउस में हुई डकैती में एक रिवॉल्वर समेत चार जिंदा कारतूस चोरी हो गए। कर्जत पुलिस ने इस मामले में उत्तर प्रदेश से दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अरुण मोहिते के सृष्टि फार्महाउस में 1 सितंबर को चोरी हुई। चोर रसोई की खिड़की से अंदर घुसे और स्मिथ एंड बेसन (अमेरिका निर्मित) 32 बोर की रिवॉल्वर, चार जिंदा कारतूस और 1 लाख 108 रुपये मूल्य का कीमती सामान लूट लिया। पुलिस ने घटनास्थल पर मौजूद कर्मचारियों से जानकारी जुटाई। जांच के दौरान, अरविंद चौहान (33) और अंगद वनवासी (22) को उत्तर प्रदेश के महू जिले के बांदी कला से गिरफ्तार किया गया।

गैस सिलेंडर में लगी आग, 7 लोग झुलसे

मुंबई. मुंबई में बुधवार सुबह गैस सिलेंडर फटने से एक दुकान में आग लग गई। इस आग में छह महिलाएं और एक पुरुष गंभीर रूप से झुलस गए। यह जानकारी नगर निगम के अधिकारियों ने दी है। उन्होंने बताया कि तीन लोग लगभग 90 प्रतिशत तक झुलस गए। कांदिवली (पूर्व) में मिलिट्री रोड पर अकुरली मेंटेनेंस चौकी के पास राम किसान मेस्त्री चॉल स्थित दुकान में सुबह 9.05 बजे आग लग गई।

एक नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आग एक मंजिला दुकान में बिजली के तारों, उपकरणों, खाद्य पदार्थों, एलपीजी सिलेंडर और गैस चूल्हे तक ही सीमित थी। अधिकारियों के अनुसार, इसमें सात लोग घायल हो गए।

बीडीबीए अस्पताल में भर्ती रक्षा जोशी (47), दुर्गा गुप्ता (30) दोनों 85 से 90 प्रतिशत तक जली हुई थीं। वहीं पूनम (28) भी 90 प्रतिशत तक झुलस गईं थीं। ईएसआईसी अस्पताल में भर्ती अन्य घायलों की पहचान नीतू गुप्ता (31) जानकी गुप्ता (39) और शिवानी गांधी (51) के तौर पर हुई है। वहीं मनाराम कुमाकट (55) का भी करीब आधा शरीर झुलस गया है।

राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर इमोशनल हुईं रानी मुखर्जी

- **बोलीं- इसे अपने पिता को समर्पित करती हूं**
- **फैंस का भी जताया आभार**

बॉलीवुड एक्ट्रेस रानी मुखर्जी को अपने 30 साल के एक्टिंग करियर में पहली बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस मौके पर वह काफी भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार वह अपने दिवंगत पिता को समर्पित करती हैं, जिन्होंने हमेशा इस पल का सपना देखा था। रानी मुखर्जी ने कहा, यह सम्मान पाकर मुझे बेहद गर्व और खुशी महसूस हो रही है। यह पुरस्कार खास तौर पर उन सभी लोगों के लिए है, जिन्होंने पिछले 30 सालों से मेरी सफलता की कामना की है। मेरे परिवार, दोस्तों और शुभचिंतकों के लिए। मेरे फैंस की खुशी देखकर मैं खुद भी भावुक हो गईं।

रानी ने अपने पिता को याद करते हुए कहा, मेरे पापा हमेशा चाहते थे कि मुझे कोई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले, लेकिन उनके जिंदा रहते ऐसा नहीं हो पाया। अब, जहां भी वे हैं, मुझे यकीन है कि वह बहुत खुश होंगे और मुझे आशीर्वाद दे रहे होंगे। मेरे सबसे बड़े समर्थक मेरे पापा थे और आज उनका सपना सच हो गया है।

इस दौरान रानी ने अपने फैंस का आभार व्यक्त किया।

नुस्ली वाडिया परिवार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

मुंबई. मुंबई पुलिस ने देश के चर्चित बिज़नेस टायकून और बॉम्बे डाइंग ग्रुप के चेयरमैन नुस्ली नेविल वाडिया समेत उनके परिवार और सहयोगियों के खिलाफ धोखाधड़ी और जालसाजी का गंभीर मामला दर्ज किया है. यह केस करीब तीन दशक पुराने डेवलपमेंट एग्रीमेंट से जुड़ा है, जो वाडिया परिवार और फेरानी होटल्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच मालाड स्थित एक भूखंड को लेकर हुआ था.

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि वाडिया परिवार ने अदालती कार्यवाही के दौरान फर्जी और मनगढ़ंत दस्तावेज़ पेश किए ताकि वित्तीय लाभ उठाया जा सके. मामला बोरीवली कोर्ट में पहुंचा, जहां से आदेश के बाद बांगुर नगर पुलिस ने नुस्ली वाडिया (81), मॉरीन वाडिया (78), नेस वाडिया (54), जहांगीर वाडिया (52), एच. जे. बमजी (75), के. एफ. भरूचा और आर. ई. वांडेवाला (65) पर FIR दर्ज की.

पुलिस ने इस केस को भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 331(2), 336(3), 339, 340(2), 61(2) और 3(5) के तहत दर्ज किया है. जांच अधिकारियों का कहना है कि ये धाराएं गंभीर धोखाधड़ी, छल और अवैध लाभ के लिए नकली दस्तावेज़ों के इस्तेमाल से जुड़ी हैं.

वाडिया परिवार लंबे समय से देश के बिज़नेस और कॉर्पोरेट जगत की प्रतिष्ठित शख्सियतों में गिना जाता है. नेस वाडिया पहले किंग्स XI पंजाब (अब पंजाब किंग्स) आईपीएल टीम के सह-मालिक रह चुके हैं. वहीं, नुस्ली वाडिया उद्योग जगत की दिग्गज हस्ती हैं. इस हाई-प्रोफाइल FIR के बाद कारोबारी और कानूनी हलकों में हलचल मच गई है. पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अब मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और कोर्ट के निर्देशों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी.

PUBLIC NOTICE

I, Kumari Shakuntala D/ Tarachand Lala, would like te inform you that property bearing Block No. C-4, Room No. 19 (Portion), CTS. No. 25760, Sheet No. 48, Ulhasnagar-5, admeasuring 29.17 sq. mtrs, is recorded in the name of my real sister Kumari Nirmala Tarachand Lala as owner in the Property card vide Pherphar Entry No. 14301 dt.31/7/2025 in the City Survey Office, Ulhasnagar-5. My sister Kumari Nirmala Tarachand Lala expired on 9.12.2017 and before her death, she has appointed me as her legal heir in respect of her abovesaid undivided share in the abovesaid property by way of consent Affidavit executed by her before Notary Shri G.Z. BADOLE vide Reg. No.106 Sr. No.688 dated 11/02/2016.

The abovesaid portion of the property I desire to be changed in my name in the above referred property card, and therefore by way of this notice, I hereby inform the public that, if any one of you or any other person or persons having any sert of right, title, interest or share, he/she may file the written objection in the City Survey Office, Gandhi Road, Shanti Bhavan, Ulhasnagar-5 alongwith requisite documents within 7(seven) days from the publication of this notice, otherwise objections received after 7 days shall be not be entertained, which please note.

Ulhasnagar:
Dated: 24/9/2025

Sd/-
i.e. Shakuntala Tarachand Lala

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099